ओशो

अष्टावक्र महागीता

मूढ़ कौन, अमूढ़ कौन!

Scanned with OKEN Scanner

सम्पादन - स्वामी आनंद सत्यार्थी
संकलन - मा अमृत प्रिया, स्वामी शशिभानु हंस
संयोजन - स्वामी अमानो मनीष

Moodh Kaun, Amoodh Kaun!

Copyright© 2003 Osho International Foundation
All rights reserved

Originally published in Hindi as:
Ashtavakra Mahageeta, Volume 5, Chapters 1 to 15
Copyright© 2002 Osho International Foundation
All rights reserved

OSHO is a registered trademark of Osho International Foundation, used under license.

ISBN 81 - 288 - 0230 - 5

प्रकाशक :

डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा०) लि०
X -30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस -2,
नई दिल्ली -110020
दूरभाष :51611861, 51611862
फैक्स :011-51611866
E-mail : mverma@nde.vsnl.net.in
Website : www.diamondpocketbooks.com .

संस्करण :**2003**

मूल्य : 75.00

अभिकल्पन एवं संयोजन :
मीडिया पल्स, 28, शंकर विहार, दिल्ली - 110092

मुद्रक : आदर्श प्रिंटर्स, दिल्ली-32

Moodh Kaun, Amoodh Kaun!
Originally published in Hindi as:
Ashtavakra Mahageeta, Volume 5, Chapters 9 to 15

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

स्वातंत्र्यात् परमं पदम् 5

दिल का देवालय साफ करो 35

निराकार, निरामय साक्षित्व 63

सदगुरुओं के अनूठे ढंग 93

मूढ़ कौन, अमूढ़ कौन! 123

अवनी पर आकाश गा रहा 153

मन का निस्तरण 183

Scanned with OKEN Scanner

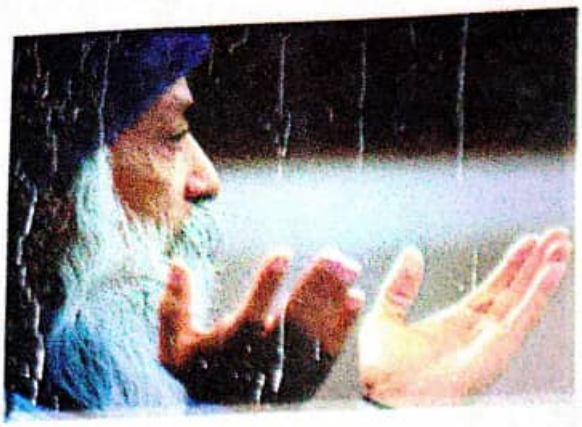

फागुन ने क्या छू लिया तनिक मन को
कर्पूरी देह अबीर हो गई है
क्या छुए मधुर गीतों ने रसिक अधर
धड़कन-धड़कन मंजीर हो गई है

अंगों पर फैल गई केसर क्यारी
नभ बाहों में भरने की तैयारी
बढ़ गई अचानक चंचलता लट की
सीमा-रेखाएं सिमटीं घूंघट की

सांसो को क्या छू गई मदिर सांसें
गंधायित मलय समीर हो गई है
फागुन ने क्या छू लिया तनिक मन को
कर्पूरी देह अबीर हो गई है

डायमंड पाकेट बुक्स

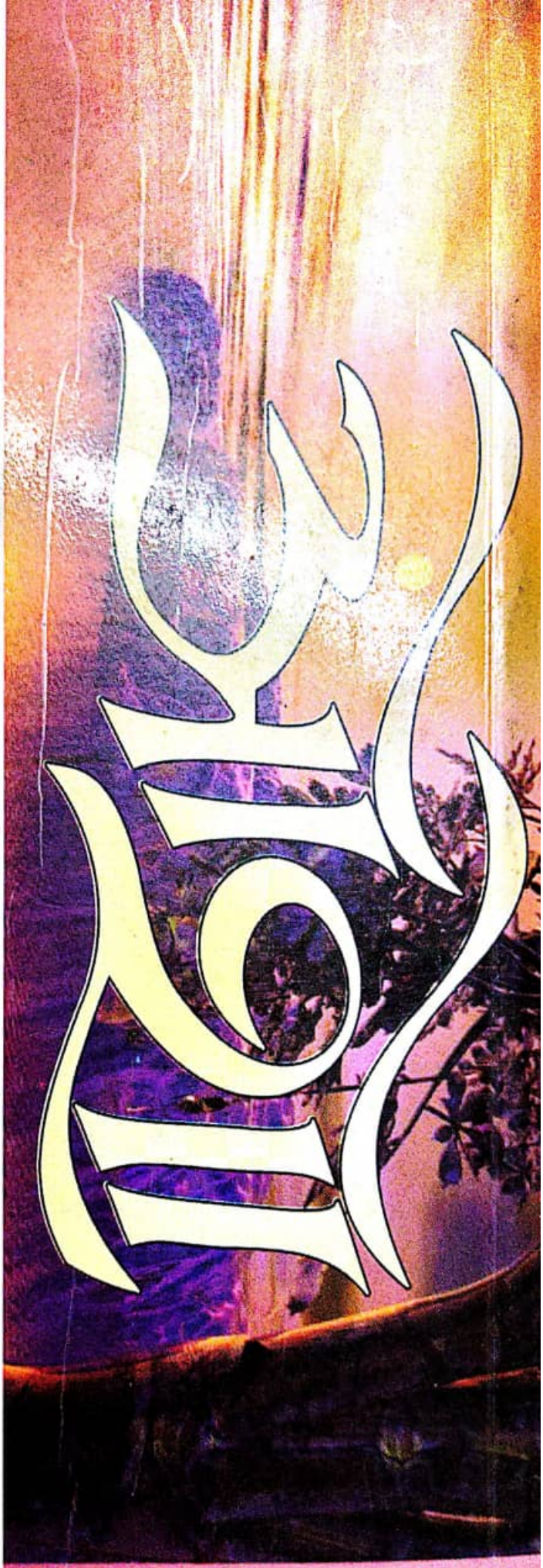

ISBN : 81-288-0230-5
A.H.W. Sameer Series
Rs. 75/-

Scanned with OKEN Scanner